अनुक्रमणिका

DR. BALA... LIBRARY
...VAJI U...

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय - ''सर्वेश्वरदयाल सक्सेना का व्यक्तित्व एवं कृतित्व'' पृ. 1 - 16

1.1 *व्यक्ति परिचय*

1.1.1 जन्म तिथि तथा जन्म स्थान

1.1.2 माता-पिता

1.1.3 परिवार

1.1.4 बचपन

1.1.5 शिक्षा

1.1.6 नौकरी

1.1.7 दांपत्य जीवन

1.1.8 देहावसान

1.2 *व्यक्तित्व की विशेषताएँ*

1.2.1 बाह्य व्यक्तित्व

1.2.2 आंतरिक व्यक्तित्व

1.2.2.1 मेधावी व्यक्तित्व

1.2.2.2 कलाप्रेमी

1.2.2.3 विभिन्न रचनाकारों से प्रभावित

1.2.2.4 स्पष्टवादिता

1.2.2.5 भावुकता

1.2.2.6 ग्रामीण जीवन से लगाव

1.2.2.7 गरीबों के प्रति आस्था

1.2.2.8 क्रांतिकारी व्यक्तित्व

1.2.2.9 समाजसेवक

1.2.2.10 लोक-कल्याण की भावना

1.2.2.11 अलिप्तावादी

1.3 साहित्यिक रचनाएँ

1.3.1 कविता संग्रह

1.3.2 कहानी-संग्रह

1.3.3 उपन्यास

1.3.4 नाटक

1.3.5 एकांकी

1.3.6 बाल-साहित्य

1.3.6.1 बाल-कविताएँ

1.3.6.2 बाल-नाटक

1.3.7 यात्रा-साहित्य

1.3.8 अनुवाद

1.3.9 संपादन

1.3.10 पत्रकारिता

1.3.11 पुरस्कार एवं सम्मान

निष्कर्ष

द्वितीय अध्याय - ''विवेच्य उपन्यासों की कथावस्तु'' पृ. 17 - 34

प्रस्तावना

2.1 कथावस्तु का स्वरूप

2.2 विवेच्य उपन्यासों की कथावस्तु

2.2.1 'सूने चौखटे' उपन्यास की कथाव्स्तु

2.2.2 'सोया हुआ जल' उपन्यास की कथावस्तु

निष्कर्ष

तृतीय अध्याय - ''विवेच्य उपन्यासों में चित्रित सामाजिक यथार्थ'' पृ. 35 - 51

प्रस्तावना

3.1 यथार्थ शब्द का अर्थ

3.2 यथार्थ का स्वरूप

3.3 सामाजिक यथार्थ से तात्पर्य

3.4 विवेच्य उपन्यासों में चित्रित सामाजिक यथार्थ

3.4.1 उच्चवर्गीय समाज का यथार्थ-चित्रण

3.4.2 मध्यवर्गीय समाज का यथार्थ-चित्रण

3.4.3 निम्नवर्गीय समाज का यथार्थ-चित्रण

3.4.4 सामाजिक भेदभाव का यथार्थ-चित्रण

3.4.5 सामाजिक रीति-रिवाजों का यथार्थ चित्रण

3.4.6 समाज व्यवस्था का यथार्थ चित्रण

3.4.7 नये-पुराने विचारों का यथार्थ-चित्रण

3.4.8 दमित वासनाओं का यथार्थ चित्रण

निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय - ''विवेच्य उपन्यासों में चित्रित पात्र एवं चरित्र-चित्रण'' पृ. 52 - 79

प्रस्तावना

4.1 चरित्र-चित्रण का महत्त्व

4.2 चरित्र-चित्रण की संकल्पना

4.3 'सूने चौखटे' उपन्यास चित्रित पात्र एवं चरित्र-चित्रण

4.3.1 प्रमुख पात्र

4.3.1.1 कमला

4.3.1.1.1 उपन्यास की नायिका

4.3.1.1.2 प्रतिभाशाली

4.3.1.1.3 महत्त्वकांक्षी

4.3.1.1.4 स्पष्टवादी

4.3.1.1.5 जिज्ञासू

4.3.1.1.6 मर्यादावादी

4.3.1.1.7 संस्कारशील

4.3.1.1.8 भावुकता

निष्कर्ष

4.3.1.2 रामू

4.3.1.2.1 उपन्यास का नायक

4.3.1.2.2 खेलकूद के प्रति रुचि रखनेवाला

4.3.1.2.3 जिज्ञासू

4.3.1.2.4 समाज सेवी

4.3.1.2.5 अन्याय-अत्याचार का विरोधी

4.3.1.2.6 दूसरों के प्रति चिंतित

4.3.1.2.7 परिश्रमी

4.3.1.2.8 असफल प्रेमी

4.3.2 गौण पात्र

4.3.2.1 हेम दीदी

4.3.2.2 खुन्नू

4.3.2.3 अंधी नानी

4.3.2.4 सीता

4.4 'सोया हुआ जल' उपन्यास में चित्रित पात्र एवं चरित्र-चित्रण

प्रस्तावना

4.4.1 प्रमुख पात्र

4.4.1.1 राजेश

4.4.1.1.1 उपन्यास का नायक

4.4.1.1.2 आदर्श पति

4.4.1.1.3 सौंदर्य का पुजारी

4.4.1.1.4 कर्म के प्रति निष्ठा रखनेवाला

4.4.1.1.5 विभा को सहारादेनेवाला

4.4.1.1.6 डरपोक

4.4.1.2 विभा

4.4.1.2.1 उपन्यास की नायिका

4.4.1.2.2 पत्नी के रूप में

4.4.1.2.3 दृढ़ निश्चयी

4.4.1.2.4 मर्यादावादी

4.4.1.2.5 प्रेमिका के रूप में

4.4.1.2.6 डरपोक

4.4.1.2.7 स्पष्टवादी

4.4.1.2.8 सपनों की दुनिया में जीनेवाली नारी

4.4.2 गौण पात्र

4.4.2.1 किशोर

4.4.2.2 रतना

4.4.2.3 दिनेश

4.4.2.4 प्रकाश

4.4.2.5 बूढ़ा पहरेदार

निष्कर्ष

पंचम अध्याय - ''विवेच्य उपन्यासों की भाषा-शैली'' पृ. 80 - 110

प्रस्तावना

5.1 भाषा

5.1.1 विविध शब्दों के प्रयोग

5.1.1.1 तत्सम शब्द

5.1.1.2 तद्भव शब्द

5.1.1.3 देशज शब्द

5.1.1.4 विदेशी शब्द

5.1.1.4.1 अरबी शब्द

5.1.1.4.2 फारसी शब्द

5.1.1.4.3 अंग्रेजी शब्द

5.1.1.4.4 संस्कृत शब्द

5.1.1.5 अन्य शब्द

5.1.1.5.1 ध्वन्यार्थक शब्द

5.1.1.5.2 निरर्थक शब्द

5.1.1.5.3 द्विरूक्त शब्द

5.1.1.5.4 संयुक्त शब्द

5.1.2 भाषा सौंदर्य के साधन

5.1.2.1 अवेशात्मक भाषा

5.1.2.2 उपदेशात्मक भाषा

5.1.2.3 पात्रानुकूल भाषा

5.1.2.4 गालियों से युक्त भाषा

5.1.2.5 व्यंग्यात्मक भाषा

5.1.2.6 मुहावरे

5.1.2.7 लोकोक्तियाँ

5.2 शैली

5.2.1 शैली का अर्थ

5.2.2 शैली की परिभाषा

5.2.3 विवेच्य उपन्यासों में प्रयुक्त शैलियों का प्रयोग

5.2.3.1 प्रतीकात्मक शैली

5.2.3.2 वर्णनात्मक शैली

5.2.3.3 प्रश्नोत्तर शैली

5.2.3.4 गीतात्मक शैली

5.2.3.5 सांकेतिक शैली

5.2.3.6 मनोवैज्ञानिक शैली

5.2.3.7 संवाद शैली

5.2.3.8 पूर्व दीप्ति शैली

निष्कर्ष

उपसंहार **पृ. 111 - 118**

संदर्भ ग्रंथ सूची **पृ. 119 - 123**